उत्तर प्रदेश में बन रहे हैं देश के आधे से अधिक मोबाइल फोन

प्रथम पृष्ठ से आगे

प्रधानमंत्री ने कहा कि गर्व है कि उत्तर प्रदेश भी सेमीकंडक्टर चिप का बड़ा सेंटर बनने का जा रहा है। एचसीएल व फाक्सकान की यह फैक्ट्री टेक्नोलाजी पावर हाउस के रूप में उत्तर प्रदेश की नई पहचान को और सशक्त करेगी। उत्तर प्रदेश के सांसद के रूप में भी गर्व का क्षण है कि सेमीकंडक्टर फैक्ट्री से प्रदेश व देश के युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार मिलेगा। देश के आधे से अधिक मोबाइल फोन उत्तर प्रदेश में बन रहे हैं। प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 3500 रोजगार का सृजन होगा।

सेमीकंडक्टर के इकोसिस्टम का निर्माण, दूरदर्शिता का प्रतीक : पीएम ने कहा कि भारत तकनीक के क्षेत्र में जो कर रहा है, वह 21वीं सदी का सामर्थ्य का आधार बनेगा। देश ने सेमीकंडक्टर मिशन के तहत अब तक 10 सेमीकंडक्टर फेब्रिकेशन व पैकेजिंग को स्वीकृति दे दी है। इनमें से चार यूनिट जल्द उत्पादन शुरू करने वाली हैं। कोरोना महामारी के दौरान दिखा कि चिप की आपूर्ति चेन पर ब्रेक लगने से दुनिया में फैक्ट्रियां रुक गईं। बड़े-बड़े देशों की अर्थव्यवस्था डगमगा गई। भारत ने इस संकट से सीखा। उसे अवसर में बदलने का प्रयास शुरू किया। सेमीकंडक्टर के इकोसिस्टम का निर्माण इसी दूरदर्शिता का प्रतीक है। आज दुनिया भारत को टेक फ्यूचर के सेंटर के रूप में देख रही है। इसका बड़ा कारण देश में चिप डिजाइन टैलेंट पुल का विस्तार होना है। भारत सरकार ने चिप स्टार्टअप शुरू किया है। सेमीकंडक्टर डिजाइन में 85 हजार से अधिक इंडस्ट्री रेडी प्रोफेशनल को तैयार करने का है। सेमीकंडक्टर व बैट्री निर्माण को रेयर अर्थ व मिनरल बहुत आवश्यक हैं। देश में रेयर अर्थ कारिडोर बनेंगे।

<< ग्रेटर नोएडा के यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में इंडिया चिप यूनिट के शिलान्यास समारोह में मौजूद गणमान्य लोगों को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव। जागरण

अंगूठे के नाखून पर पूरी मानस लिखने जैसा कठिन काम है चिप बनाना

वैष्णव केंद्रीय आइटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसे चिप निर्माण में आत्मनिर्भर बनाने की ओर बड़ा कदम बताया। कहा कि 10 करोड़ की मशीन में 100 रुपये की एक चिप न हो तो वह चलेगी नहीं। हाथ के अंगूठे के नाखून पर पूरी रामचरित मानस लिखने जैसा काम चिप बनाना है। एक छोटे चिप में 500 करोड़ कंपोनेंट बनाना जैसा काम सेमीकंडक्टर संयंत्र में होगा। अब सेमीकंडक्टर संयंत्र में हर माह तीन करोड़ 60 लाख चिप बनेगी। संयंत्र में यूनिट स्माल पैनल ड्राइवर आइसी, डिस्प्ले सर्किट का निर्माण से विदेश से चिप की निर्भरता खत्म होगी।

सेमीकंडक्टर व एआइ हब के रूप में उभरेगा गौतमबुद्ध नगर

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा: आत्मनिर्भर भारत के साथ देश को 2047 तक विकसित बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही केंद्र की सरकार मेड इन इंडिया ब्रांड को भी मजबूत कर रही है। दूसरे देशों पर सेमीकंडक्टर चिप की निर्भरता खत्म करने के लिए देश में इसके निर्माण में भी आत्मनिर्भरता के लक्ष्य पर काम हो रहा है। गुजरात व असम में बाद उप्र में सेमीकंडक्टर चिप के छठे संयंत्र की स्थापना में अहम कदम है। गौतमबुद्ध नगर वैश्विक पटल पर ईको सिस्टम के साथ तकनीकी के हब के तौर पर वैश्विक पटल पर पहचान भी मजबूत कर रहा है।

दिल्ली से सटे उप्र के गौतमबुद्ध नगर ने शुरुआत में अपनी पहचान आइटी हब के तौर पर स्थापित की थी। पिछले कुछ वर्षों में इस जिले में स्थापित इकाइयों से यहां उद्योग व तकनीकी के लिए पूरा ईको सिस्टम तैयार हो रहा है।

MASTER